

VIDYASAGAR UNIVERSITY



Curriculum for 3-Year B. A (General) in

Hindi

Under Choice Based Credit System (CBCS)
w.e.f 2018-2019

VIDYASAGAR UNIVERSITY
BA (General) in Hindi
[Choice Based Credit System]

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
							CA	ESE	TOTAL
1	I			SEMESTER-I					
		Core-1 (DSC-1A)		DSC-1A: हिंदी साहित्य का इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		Core-2 (DSC-2A)		Other Discipline(Discipline-2)/TBD	6		15	60	75
		AECC-1 (Core)		English-I	6	5-1-0	15	60	75
		AECC-1 (Elective)		English/MIL	2	1-1-0	10	40	50
				Semester - I : Total	20				275
					SEMESTER-II				
	II	Core-3 (DSC-1B)		DSC-1B: मध्यकालीन हिंदी कविता	6	5-1-0	15	60	75
		Core-4 (DSC-2B)		Other Discipline(Discipline-2)/TBD	6		15	60	75
		AECC-2 (Core)		MIL-I हिंदी व्याकरण और संप्रेषण	6	5-1-0	15	60	75
		AECC-2 (Elective)		Environmental Studies	4		20	80	100
				Semester - 2 : Total	22				325

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
							CA	ESE	TOTAL
2	III			SEMESTER-III					
		Core-5 (DSC-1C)		DSC-1C: आधुनिक हिंदी कविता	6	5-1-0	15	60	75
		Core-6 (DSC-2C)		Other Discipline(Discipline-2)/TBD	6		15	60	75
		AECC-3 (Core)		English -II	6	5-1-0	15	60	75
		SEC-1		SEC1T: भाषा शिक्षण	2	1-1-0	10	40	50
				Semester - 3 : Total	20				275
					SEMESTER-IV				
	IV	Core-7 (DSC-1D)		DSC-1D: हिंदी गद्य साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		Core-8 (DSC-2D)		Other Discipline(Discipline-2)/TBD	6		15	60	75
		AECC-4 (Core)		MIL –II हिंदी भाषा और संप्रेक्षण	6	5-1-0	15	60	75
		SEC-2		SEC2T: अनुवाद विज्ञान	2	1-1-0	10	40	50
				Semester - 4 : Total	20				275

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
							CA	ESE	TOTAL
3	V			SEMESTER-V					
		DSE-1A		DSE1AT: कबीर Or हिंदी निबंध	6	5-1-0	15	60	75
		DSE-2A		Other Discipline(Discipline -2) / TBD	6		15	60	75
		GE-1		TBD(from other discipline except discipline-1,2 & AECC-Core)	6		15	60	75
		SEC-3		SEC3T: भाषा कम्प्यूटिंग	2	1-1-0	10	40	50
				Semester - 5 : Total	20				275
	VI				SEMESTER-VI				
		DSE-1B		DSE1BT:सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' Or प्रयोजनपरक हिंदी	6	5-1-0	15	60	75
		DSE-2B		Other Discipline (Discipline -2) / TBD	6		15	60	75
		GE-2		TBD(from other discipline except discipline-1,2 & AECC-Core)	6		15	60	75
		SEC-4		SEC4T: चलचित्र लेखन	2	1-1-0	10	40	50
				Semester - 6 : Total	20				275
			Total in all semester:			122			1700

CC = Core Course , **AECC** = Ability Enhancement Compulsory Course , **GE** = Generic Elective , **SEC** = Skill Enhancement Course , **DSE** = Discipline Specific Elective , **CA**= Continuous Assessment , **ESE**= End Semester Examination , **TBD**=To be decided , **CT** = Core Theory, **CP**=Core Practical , **L** = Lecture, **T** = Tutorial , **P** = Practical , **MIL** = Modern Indian Language , **ENVS** = Environmental Studies ,

List of Core Courses (CC/DSC)

- DSC 1A: हिंदी साहित्य का इतिहास
DSC 1B: मध्यकालीन हिंदी कविता
DSC 1C: आधुनिक हिंदी कविता
DSC 1D: हिंदी गद्य साहित्य

Discipline Specific Elective (DSE)

- DSE-1A: कबीर
Or
DSE-1A: हिंदी निबंध
DSE-1B: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
Or
DSE-1B: प्रयोजनपरक हिंदी

Skill Enhancement Course (SEC)

- SEC-1: भाषा शिक्षण
SEC-2: अनुवाद विज्ञान
SEC-3: भाषा कम्प्यूटिंग
SEC-4: चलचित्र लेखन

Generic Elective(GE)

[Interdisciplinary for other department]

- GE-1: संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा
GE-2: सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

AECC (Core)

- MIL (Hindi) - 1: हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
MIL (Hindi) - 2: हिंदी भाषा और संप्रेषण

AECC (Elective)

- MIL (Hindi): हिंदी संप्रेषण

CORE COURSE (CC)

DSC-1A: हिंदी साहित्य का इतिहास

Credits 06

DSC1AT: हिंदी साहित्य का इतिहास

काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

भक्ति आंदोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध तथा रीतिमुक्त कवि।

1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

DSC-1B: मध्यकालीन हिंदी कविता

Credits 06

DSC1BT: मध्यकालीन हिंदी कविता

Course Contents :

क) कबीर :

पद

1. माया कहा ठगिनि हम जानी जाकै हाथ विकानी।
2. मेरा तेना मनआँ कैसे होई एक रे तब ही वैसा होई रे।
3. अरे इन दोउन राह न पाईकौन राह हवै जाई।
4. साधो देखो जग बौरानासाधे इनमें कौन दिवाना।

साखी

1. सतगुर सँवा न कोई सगा, सोधी सई न दाति।
2. जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
3. हेरत हेरत हे सखि, रहया कबीर हिराई।
4. चकवी बिछुटी रैणि की, आई किमली परभात।
5. बिरहा बुरहा जिनि कहौ, बिरहा है सुलितान।
6. मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।
7. अँषडियाँ झाई पड़ी, पंथ निहार निहार।
8. सुखिया सब संसार है, खावै अरू सोवै।
9. प्रेम न खेती नीपजै, प्रेम न हाट बिकाइ।
10. काया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै पड़त।

ख) सूरदास

1. चरण कमल बंदौ हरि राई।
2. अँखियाँ हरि दरसन को भूखि।
3. निरगुन कौन देस को वासी?
4. काहै को गोपीनाथ कहावत?
5. ऊधो मन नाहीं दस बीस।
6. ऊधो! जहु तुम्हें हम जाने।
7. सँदेसो देवकी सों कहियो।
8. काहे को रोकत मारम सूधो!

ग) तुलसीदास :

अयोध्या कांड से (राम वन गमण)

घ) मीराबाई :

1. मैं बिरहिणि बैठी जागू जगत सब सोवै री आली
2. मैं गिरधर रंगराती सैयां मैं गिरधर रंगराती
3. चलो मन गंगा जमना तीर
4. नहीं ऐसा जनम बारंबार

5. मेरे मन राग बसी

ड.) रसखान

1. धूरि भरे अति सोभित स्यसामजू तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
2. काननि दै अंगुरि रहिबो जबहीं मुरली धुन मंद बजैहै।
3. मोर पख सिर ऊपर राखिहौं गुंज की माल गरै पहिरोंगी।
4. मानुष हो तो वहीं रसखान

च) बिहारी :

1. मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोय।
2. नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहिकाल।
3. कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
4. कौन भाँति रहि है बिरदु, देखिनी मुरारि।
5. कहत नटत रीझत खीझत मिलत खिलत लजियात।
6. लिखन बैठी जाकी सबिहिं, गहि गहि गरब गरूर।
7. इक भीजे बहललै परे बूडे बहे हजार।
8. कहलाने एकत बसत, अहि मयूर मृग बाघ।
9. बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।
10. आडे दै आले बसन, जाडे हूँ की रीति।

छ) भूषण :

1. ऊँचे घोर मदर के अंदर रहनवारी.....नगन जडाती है।
2. साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढि.....यों हलत है।
3. इन्द्र जिम जंभ पर बाडव सुअंभ पर
4. बाने फहराने घंटा गजन के
5. साहि तनै सिवराज भूषण सुजन तबजानियतु है।

ज) घनानंद :

1. हीन भएँ जल मीन अधीन, कहा कछु मो अकुलानि - समानै।
2. रावरे रूप की रीति अनुप, नयो नया लागत ज्यों ज्यों निहारियै।
3. भेर ते सांझ ली कानन ओर
4. झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत कानिन छवै।
5. मीत सुजान अनीति करौ जिन, हा हा न हूजियै मोहि अमोही।

DSC-1C: आधुनिक हिंदी कविता

Credits 06

DSC1CT: आधुनिक हिंदी कविता

Course Contents:

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र : प्रभु निज अनगन सुभग असीसा / बंदरसभा
2. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरियौध : बादल / जन्म भूमि / चतुर नेता
3. मैथिलीशरण गुप्त : नर हो न निराश कर मन को
4. जयशंकर प्रसाद : पेशोला की प्रतिध्वनि/अरी वरुणा की शांत
कछार/मेरे नाविक
5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : जागो फिर एक बार / भिक्षुक / जुही की कली
6. नागार्जुन : प्रेत का बयान / शासन की बंदूक
7. सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन अज्ञेय: नदी के द्वीप / सोन मछली
8. नरेश मेहता : माँ / इतिहास और प्रतिइतिहास

DSC-1D: हिंदी गद्य साहित्य

Credits 06

DSC1DT: हिंदी गद्य साहित्य

Course Contents:

- | | | |
|---------|-----------------|-------------------|
| उपन्यास | : त्यागपत्र | -- जैनेंद्र कुमार |
| कहानी | : नमक का दारोगा | -- प्रेमचंद |
| | आकाशदीप | -- जयशंकर प्रसाद |
| | परदा | -- यशपाल |



	वापसी	-- उषा प्रियंवदा
निबंध	: लोभ और प्रीति	-- रामचंद्र शुक्ल
	कुटज	-- हजारीप्रसाद द्विवेदी

Discipline Specific Electives (DSE)

DSE-1A: कबीर

Credits 06

DSE1AT: कबीर

Course Contents:

पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली (संपादक - श्यामसुंदर दास) अथवा

कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(विश्वविद्यालय साखियों एवं पदों का चयन उपर्युक्त पुस्तकों में से कर सकते हैं।)

Or

DSE-1A: हिंदी निबंध

Credits 06

DSE1AT: हिंदी निबंध

Course Contents:

- | | |
|-------------------------|---------------------------------------|
| 1. बालकृष्ण भट्ट | -- साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है |
| 2. चंद्रधर शर्मा गुलेरी | -- कछुआ धरम |
| 3. रामचंद्र शुक्ल | -- कविता क्या है |
| 4. हजारीप्रसाद द्विवेदी | -- अशोक के फूल |
| 5. महादेवी वर्मा | -- जीने की कला |
| 6. रामधारी सिंह 'दिनकर' | -- भारत की सांस्कृतिक एकता |
| 7. हरिशंकर परसाई | -- पगडंडियों का जमाना |
| 8. विद्यानिवास मिश्र | -- अस्ति की पुकार हिमालय |
| 9. निर्मल वर्मा | -- अतीत : एक आत्म-मंथन |
| 10. कुबेरनाथ राय | -- एक महाकाव्य का जन्म |

DSE-1B: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
DSE1BT: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Credits 06

Course Contents:

कविताएँ

1. सखि, वसंत आया
2. जुही की कली
3. जागो फिर एक बार : 2
4. बादल-राग -- 6
5. वर दे वीणावादिनी वर दे!
6. भारति, जय विजय करे!
7. तोड़ती पत्थर
8. बाहर मैं कर दिया गया हूँ
9. स्नेह-निर्झर बह गया है
10. गहन है यह अंधकार

Or

DSE-1B: प्रयोजनपरक हिंदी
Credits 06
DSE1BT: प्रयोजनपरक हिंदी

Course Contents:

- प्रयोजनपरक हिंदी : अवधारणा और विविध क्षेत्र
- प्रयोजनपरक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम

माध्यम लेखन :

- विविध संचार माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि
- श्रव्य माध्यम : रेडियो
- श्रव्य-दृश्य माध्यम : टेलीविजन और फिल्म

- तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
- मिश्र माध्यम : विज्ञापन
- समाचार पत्र
- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- रेडियो-लेखन : उद्घोषणा, कार्यक्रम-संयोजन (कंपेयरिंग) समाचार, धारावाहिक, फीचर, रिपोर्ट, रेडियो नाटक, अवयव, रूप और प्रविधि।
- इंटरनेट : सामग्री-सृजन, संयोजन एवं प्रेषण।

अनुवाद :

- अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप और महत्व
- अनुवाद के प्रकार

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC-1: भाषा शिक्षण

Credits 02

SEC1T: भाषा शिक्षण

Course Contents:

हिंदी भाषा एवं शब्द भंडार – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम।

प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मूक-बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण।

भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर – प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिंदीतर भाषियों, विभाषियों – विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।

भाषा विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास।

पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढार्थवाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता।

हिंदी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण।

शैली विज्ञान : प्रारंभिक परिचय।

हिंदी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन।

हिंदी भाषा का भविष्य

SEC-2: अनुवाद विज्ञान

Credits 02

SEC2T: अनुवाद विज्ञान

Course Contents:

अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार – भाषांतरण, सारानुवाद तथा रूपांतरण में साम्य-वैषम्य। अनुवाद के प्रमुख प्रकार – कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपर, विधिक, वाणिज्यिक।

अनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद/छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग कम्प्यूटर अनुवाद।

साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप – काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद।

अनुवाद में पर्यवेक्षण (वेटिंग) की भूमिका।

वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद।

अनुवाद की संपादन प्रविधि।

अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवाद के अभिलक्षण।

विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिंदी अनुवाद एवं हिंदी की प्रमुख कृतियों के विश्वभाषाओं में किये गए अनुवाद।

भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केंद्र, अनुवाद के राष्ट्रीय प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता।

हिंदी अनुवाद का भविष्य

SEC-3: भाषा कम्प्यूटिंग

Credits 02

SEC3T: भाषा कम्प्यूटिंग

Course Contents:

- कम्प्यूटर प्रबंधन -- हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लिकेशन पैकेज, वेबसाइट, ई-मेल, वेब सर्फिंग।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सी.डी., मोबाइल और किंडल, मैगजीन का निर्माण।
- मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली।
- कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति (मेमोरी), सूचना संग्रहण।
- कम्प्यूटर मुद्रण।

- सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।
- संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली।
- संचार भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ
- कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न अनुप्रयोग।
- कम्प्यूटर अनुवाद।
- रेडियो और टेलीविजन के कम्प्यूटर साधित कार्यक्रम।

SEC-4: चलचित्र लेखन

Credits 02

SEC4T: चलचित्र लेखन

Course Contents:

भारतीय सिनेमा का इतिहास।

हिंदी की आरंभिक मूक और सवाक् फिल्मों।

विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिंदी फिल्मों, लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद।

प्रमुख निर्देशक एवं अभिनेता।

हॉलीवुड फिल्मों की हिंदी डबिंग

बॉलीवुड का हिंदी फिल्मी उद्योग।

फिल्म निर्माण की प्रक्रिया।

हिंदी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, या प्रविधि।

रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिंदी फिल्मों की भाषिक संरचना।

वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर।

हिंदी में निर्मित विज्ञापन फिल्मों (एड-फिल्में)।

फिल्मी अभिनेताओं द्वारा उच्चरित संवादों का

हिंदी की विश्व व्यापित में फिल्मों की भूमिका। हिंदी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यावहारिक प्रशिक्षण -- (निर्मितियाँ) तथा शोले।

Generic Elective (GE)

GE-1: संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

Credits 06

GE1T: संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

Course Contents:



संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत।

संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव।

समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन।

हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।

साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी) पत्रिका की साज-सज्जा, रंग-संयोजन।

GE-2: सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Credits 06

GE2T: सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Course Contents:

रिपोर्टाज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्टाज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्टाज और फीचर लेखन-प्रविधि।

फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।

स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार, पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, जानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।

दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबंधित लेखन।

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

AECC (Core)-MIL

MIL (Hindi)-1: हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

Credits 06

Course Contents:

हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय।
उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, पल्लवन एवं संक्षेपण।

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

MIL (Hindi) -2: हिंदी भाषा और संप्रेषण

Credits 06

Course Contents:

हिंदी भाषा और संप्रेषण

भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठ्य।
बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।

भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपांतर।
भावार्थ और व्याख्या, आशय, लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

AECC (Electives)

MIL (Hindi): हिंदी संप्रेषण
Course Contents:

Credits 02

हिंदी संप्रेषण (Communicative Hindi)

1. भूमिका : संप्रेषण का सिद्धांत, संप्रेषण के प्रकार
2. संप्रेषण की भाषा : मौखिक और लिखित
3. वाचिक क्षमता : एकालाप, संवाद, समूह-संवाद, प्रभावी संप्रेषण, साक्षात्कार, जन-संवाद
4. वाचन : अनुच्छेन, सार-संक्षेपण, विश्लेषण एवं व्याख्या, अनुवाद (हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी)
5. लेखन : डाक्यूमेंटिंग, रिपोर्ट लेखन, नोट्स लेखन, पत्र-लेखन, सूचना लेखन।
